राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Madhyama Diploma in performing art- (M.D.P.A.)

2024 -25 (Regular)

Previous

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

मध्यमा डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

1. कथक नृत्य शैली के बारे में जानकारी।
2. संगीत की परिभाषा एवं उस में नृत्य का स्थान।
3. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा :–

   तत्कार, हस्तक, ताल, आवर्तन, ठाठ।

4. लय के प्रकार–विलम्बित, मध्य और द्रुत की जानकारी।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद का ज्ञान।
6. स्व. पं. कालिका प्रसाद, स्व. श्री बिन्दादीन महाराज की जीवनी एवं कथक नृत्य में इनका योगदान।
7. ताल दादरा (6 –मात्रा), कहरवा (8 –मात्रा) ताल के ठेकों का ज्ञान एवं तीन ताल में नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करने के क्षमता ।
8. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्त–मुद्राऐं (11 से 25 तक) का विनियोग सहित विवरण।
9. भातखण्डे ताललिपि का परिचयात्क अध्ययन। व पाठ्यक्रम की तालो को भातखण्डे ताललिपि पद्धति में लिखने की क्षमता।

मध्यमा डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट–प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांक–100

1. त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :– एक आमद, तीन तोडे, एक चक्करदार तोड़ा, दो परन,एक कवित्त एवं तत्कार का अभ्यास।

2. पूर्व में सीखें गये गतनिकासों के अतिरिक्त मुरली, घूँघट एवं छूट (ठाठ) की गत का प्रदर्शन।

3. अभिनय दर्पण के अनुसार 'शिरोभेद' का प्रायोगिक प्रदर्शन।

4. पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों के ठेकों एवं तोड़े, परन, आदि को पढ़न्त करने का अभ्यास।

5. असंयुक्तहस्तमुद्राओं (1 से 25 तक) का क्रियात्मक प्रदर्शन।

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीख गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण

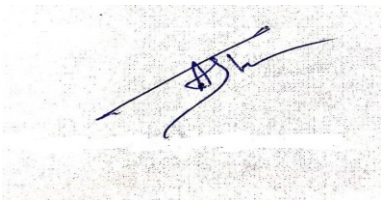

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Madhyama Diploma in performing art- (M.D.P.A.)

(Regular)

Final

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

मध्यमा डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट – अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र

समयः– 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

1. ताण्डव एवं लास्य का परिचयात्मक ज्ञान।

2. 'अभिनय' की परिभाषा एवं प्रकारों की संक्षिप्त जानकारी।

3. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान।

   आमद, तोड़ा, टुकड़ा, परन, कवित्त, गतनिकास एवं गतभाव।

4. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टिभेदों का ज्ञान।

5. अभिनय दर्पण के अनुसार 23 असंयुक्त हस्तों का लक्षण एवं विनियोग सहित अध्ययन।

6. स्व. पं. अच्छन महाराज, स्व. पं. लच्छूमहाराज, एवं स्व. पं. शम्भू महाराज की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनका योगदान।

7. ताल झपताल (10 –मात्रा) एवं सूल ताल (10 –मात्रा) के ठेकों को ठाह, दुगुन, तिगुन, एवं चौगुन, में लिपिबद्ध करना तथा सीखे गये तोड़े, परन, कवित्त, आदि को भी लिपिबद्ध करने की क्षमता।

8. भातखण्डे ताललिपि पद्धति व पं. दिगम्बर का तुलनात्मक अध्ययन व ताललिपि में लिखने की क्षमता।

मध्यमा डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट – अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र –प्रायोगिक

1. गुरू वंदना से सम्बन्धित श्लोक परभाव प्रदर्शन।

2. ठाठ का सामान्य प्रदर्शन।

3. त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास एक आमद, पाँच विकसित तोड़े, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन, और तिहाई करने का अभ्यास।

4. पूर्व में सीखे गए गतनिकासों के अतिरिक्त घूंघट का प्रदर्शन।

5. 'पनघट' गतभाव का प्रदर्शन।

6. झपताल (10–मात्रा) अथवा सूलताल (10–मात्रा) में एक आमद, दो तोड़े, एक परन, एक चक्करदार तोड़ा,और तिहाई करने का अभ्यास।

7. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टिभेद एवं असंयुक्त हस्तमद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. कथकनृत्य शिक्षा प्रथम भाग (डॉ. पुरू दधीच)

2. कथक नृत्य (श्री हरीशचंद्र श्रीवास्तव)

3 कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)

4 गीता रघुवीर जी का कत्थक नृत्य शास्त्र (हिन्दी ग्रंथ अकादमिक)

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण